कब आएंगे राम | by Suresh Wadkar

माँ कौशल्या तुझको पुकारे
चले आओ अब राम हमारे
कब तक खुद से झूठ कहूं मैं
अब ना राम से दूर रहूं मैं

कब आएंगे कब आएंगे.....
जय सियाराम सियाराम सियाराम

कब आएंगे पूछे मेरा मन व्याकुल सुबह शाम को
अवधपुरी भी सज चुकी है मिलने प्रभु श्री राम को
भोर दुपहरिया सांझ और रतिया
अँखियाँ तरसे राम को
जय सियाराम सियाराम सियाराम .....

जबसे जानी माँ कौशल्या राम अवध हैं आ रहे
अँखियों से खुशियों के मोती पल पल बरसे जा रहे
नित नित पूछ रही है मैया राम कहाँ तक आये हैं
लाल से मिलने की अभिलाषा अब ना रोकी जाए है
द्वार खड़ी है मैया द्वार खड़ी है
जय सियाराम सियाराम सियाराम .....
द्वार खड़ी है मैया द्वारखड़ी है
द्वार खड़ी है मैया लेकर ममता देखने राम को
अवधपुरी भी सज चुकी है मिलने प्रभु श्री राम को
जय सियाराम सियाराम सियाराम .....

लक्ष्मण को संदेह हुआ ना भरत के मन में पाप हो
लेकिन हाथ जोड़ वो बोले प्रभु चलो तुम मेरे साथ हो
राजा का जीवन भी देखो सेवक बनके बिताये थे
वन से भैया के खड़ाऊ अपने साथ वो लाये थे
भरत पुकारे हो राम हमारे
जय सियाराम सियाराम सियाराम .....
भरत पुकारे राम हमारे नैनो को विश्राम दो
अवधपुरी भी सज चुकी है मिलने प्रभु श्री राम को
जय सियाराम सियाराम सियाराम .....

अग्नि भी आंसू बहाये जल की बूंदे प्यासी हैं
कबसे तोहरी राह तके अँखियाँ बरसों से उदासी हैं
उडी धुल माटी की देखो राम कहानी गाये हैं
घर घर खुशियों के दीपक हो भक्तों ने जलाये हैं
अवध पधारो सियाराम हमारे प्राणो में अब प्राण दो
अवधपुरी भी सज चुकी है मिलने प्रभु श्री राम को
जय सियाराम सियाराम सियाराम .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%ac-%e0%a4%86%e0%a4%8f%e0%a4%82%e0%a4%97%e0%a5%87-%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%ae-by-suresh-wadkar/